Content

अनुक्रमणिका

मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में नारी जीवन का चित्रण

अध्याय : 1 **मैथिलीशरण गुप्तजी के जीवन तथा काव्य-कृतियों का परिचय । (14-71)**

जीवन परिचय :- प्रस्तावना, जन्म, वंश-परिचय, गुप्तजी का बचपन और आरंभिक शिक्षा, विवाहसंस्कार, दिनचर्या और खान-पान, जीवन और व्यक्तित्व का समग्र मूल्यंकान, मृत्यु ।

काव्य-कृतियाँ :- रंग में भंग, जयद्रथ-वध, पद्य-प्रबंध, भारत-भारती, शकुन्तला, तिलोत्तमा, चंद्रहास, पत्रावली, वैतालिक, किसान, अनघ, पंचवटी, स्वदेश-संगीत, हिन्दू, शक्ति, सैरन्ध्री, वन-वैभव, वक-संहार, विकट-भट, गुरुकुल, झंकार, साकेत, यशोधरा, द्वापर, सिद्धराज, मंगलघाट, आस्वाद, नहुष, कृणालगीत, अर्जन और विसर्जन, काबा और कर्बला, विश्व वेदना, अजीत, प्रदक्षिणा, पृथिवीपुत्र, हिडिम्बा, युद्ध, अंजलि और अर्घ्य, जयभारत, भूमि-भाग, कवि-श्री, राजा-प्रजा, विष्णुप्रिया, रत्नावली, उच्छ्वास ।

अध्याय : 2 **तत्कालीन परिस्थितियाँ :- (72 - 127)**

सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, साहित्यिक - ब्रह्मसमाज, प्रार्थनासमाज, आर्यसमाज, ब्रह्मविद्या समाज, रामकृष्ण मिशन, लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक, महायोगी अरविन्द, रवीन्द्रनाथ टैगोर, महात्मा गांधी आदि का प्रभाव ।

अध्याय :3 **पूर्ववर्ती काव्य में नारी जीवन का चित्रण :- (128-151)**

वैदिककाल, आदिकाल, मध्यकाल, आधुनिक काल, नवजागरण की चेतना, अंग्रेजी शिक्षा और साहित्य का प्रभाव, मध्यकालीन नारी भावना के प्रति विद्रोह, समाज-सुधार की लहर का प्रभाव, नारी उत्थान की भावना, इंडियन नेशनल कांग्रेस और राष्ट्रीय आंदोलनों का प्रभाव ।

अध्याय :4 **गुप्तजी के काव्य में नारी जीवन का चित्रण । (152-239)**

गुप्तजी की काव्य रचनाओं की प्रमुख तथा गौण नारियाँ :–
(उर्मिला, यशोघरा, दौपदी, हिलिम्बा, कैकेयी, सीता, कुन्ती, शकुन्तला, विधृता, विष्णुप्रिया, सची, उर्वशी, गांधारी, कौशल्या, सुमित्रा, मांडवी, श्रुतिकीर्ति, मंथरा, देवकी, शूर्पणखा, जेनी, रत्नावली, सुरभि, उत्तरा, सुभद्रा, रानकदे, मीनलंदे, रुपवती, महारानी सिसोदनी, इउडोसिया)

अध्याय :5 **काव्य का कलापक्ष :– (240–281)**
भाषा, अलंकार, प्रतीक, बिंब-विधान, छंद-विधान आदि ।

अध्याय :6 **उपसंहार :– (282–297)**
गुप्तजी के नारी चित्रण का वैशिष्टय, उपादेयता तथा महत्व ।

मैथिलीशरण गुप्तजी की काव्य–कृतियाँ की सूची । (298)

सहायक ग्रंथो की सूची । (299–303)

पत्र–पत्रिकाओं की सूची । (304)

****